National Seminar [Hybrid Mode] on "Teacher Education and Professional Development: A NEP 2020 Perspective" Dt. 21 & 22 Feb 2025 With e-ISSN 2394-8426 & International Impact Factor 8.357
DOI link - https://doi.org/10.69758/GIMRJ/2501I02S01V13P0021

शिक्षकों के लिए अपने स्कूलों और समुदायों में नेतृत्व की भूमिका निभाने के अवसर तलाशना

डॉ. ज्योत्सना गड़पायले
सहायक प्राध्यापक
शिक्षा विभाग, सेंट थॉमस कॉलेज भिलाई, छत्तीसगढ
jyotsna.gadpayle@gmail.com

प्रस्तावना

शिक्षक समाज के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक होते हैं। वे न केवल कक्षा में बच्चों के शैक्षिक विकास के लिए जिम्मेदार होते हैं, बल्कि उन्हें मानसिक, सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी सशक्त बनाने का कार्य करते हैं। आज के समय में, शिक्षक केवल शैक्षिक कार्यों तक ही सीमित नहीं रहते, बल्कि उन्हें स्कूलों और समुदायों में नेतृत्व की भूमिका निभाने का भी अवसर मिलता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (छम्च्) 2020 ने यह स्पष्ट किया है कि शिक्षक को शिक्षा के परिवर्तनों और समाज में बेहतर नेतृत्व की भूमिका निभाने का अवसर मिलना चाहिए। यह आलेख इस विषय पर विस्तृत रूप से चर्चा करेगा कि शिक्षक कैसे अपने स्कूलों और समुदायों में नेतृत्व की भूमिका निभा सकते हैं और इसके क्या लाभ हो सकते हैं।

शिक्षकों के लिए नेतृत्व की भूमिका का महत्व

शिक्षक अपने विद्यार्थियों के लिए रोल मॉडल होते हैं, और उनका कार्य केवल शिक्षा तक ही सीमित नहीं रहता। उन्हें शिक्षा के अतिरिक्त अन्य सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर भी नेतृत्व की भूमिका निभानी होती है। जब शिक्षक अपने स्कूलों और समुदायों में नेतृत्व करते हैं, तो इसका प्रभाव न केवल विद्यार्थियों पर पड़ता है, बल्कि पूरे समाज में बदलाव लाने में भी मदद मिलती है।

नेतृत्व की भूमिका में शिक्षक निम्नलिखित कार्य कर सकते हैं–

शैक्षिक परिवर्तन का मार्गदर्शन– शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने, नए शिक्षण तरीकों को अपनाने, और विद्यार्थियों के लिए बेहतरीन शैक्षिक वातावरण बनाने के लिए नेतृत्व कर सकते हैं।

समाज में जागरूकता फैलाना– शिक्षक अपने समुदाय में विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाने का कार्य कर सकते हैं, जैसे कि लिंग समानता, स्वास्थ्य, पर्यावरणीय शिक्षा आदि।

मूल्य आधारित शिक्षा का प्रसार– शिक्षक अपने विद्यार्थियों को केवल शैक्षिक ज्ञान नहीं, बल्कि जीवन जीने के सच्चे सिद्धांत, जैसे ईमानदारी, धैर्य, और सहानुभूति भी सिखाते हैं, जो उन्हें एक बेहतर नागरिक बनाने में मदद करते हैं।

NEP 2020 और शिक्षक नेतृत्व

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) ने शिक्षक के योगदान को बढ़ाने के लिए कई योजनाएं बनाई हैं। नीति में शिक्षक को केवल शैक्षिक कार्यों तक सीमित न रखने की बात की गई है, बल्कि उन्हें पूरे शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में सक्रिय रूप से नेतृत्व की भूमिका निभाने के अवसर दिए गए हैं।

NEP 2020 के अनुसार, शिक्षक अपने स्कूल के शैक्षिक माहौल को सुधारने के लिए विभिन्न निर्णयों में भाग ले सकते हैं और स्कूलों के शैक्षिक लक्ष्य तय करने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, शिक्षक समुदाय के सामाजिक और सांस्कृतिक विकास में भी नेतृत्व कर सकते हैं।

शिक्षकों के लिए नेतृत्व के अवसर

शैक्षिक नीति निर्माण में भागीदारी– शिक्षक अपनी कक्षाओं, स्कूलों और समुदायों के अनुभवों को साझा करके शैक्षिक नीति निर्माण में योगदान कर सकते हैं। वे नीति निर्माता तक अपनी आवाज पहुंचा सकते हैं, जिससे नीतियों का प्रभावी और व्यावहारिक रूप से कार्यान्वयन हो सके।

समुदाय में शिक्षात्मक बदलाव– शिक्षक अपने समुदाय के बच्चों को शिक्षा देने के साथ–साथ उनके माता–पिता और अन्य परिवारों को भी शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक कर सकते हैं। वे सामुदायिक शिक्षा कार्यक्रमों का आयोजन कर सकते हैं, जो बच्चों और बड़े दोनों के लिए उपयोगी हो सकते हैं।

व्यक्तित्व विकास और प्रेरणा– शिक्षक व्यक्तिगत और पेशेवर विकास की दिशा में प्रेरणा का स्रोत बन सकते हैं। वे विद्यार्थियों को जीवन में सफलता पाने के लिए मार्गदर्शन कर सकते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

सामाजिक मुद्दों पर नेतृत्व– शिक्षक समाज में विभिन्न मुद्दों जैसे कि स्वास्थ्य, लिंग समानता, बाल अधिकार, और पर्यावरणीय शिक्षा पर जागरूकता फैला सकते हैं। उनका नेतृत्व समाज को जागरूक करने, लोगों के दृष्टिकोण बदलने, और सामाजिक परिवर्तन में सहायक हो सकता है।

शिक्षक नेतृत्व के लाभ

समाज में सकारात्मक परिवर्तन– जब शिक्षक समाज में नेतृत्व की भूमिका निभाते हैं, तो वे न केवल शिक्षा के क्षेत्र में, बल्कि समाज के अन्य क्षेत्रों में भी सकारात्मक बदलाव लाते हैं।

शिक्षकों की खुद की क्षमताओं का विकास– नेतृत्व की भूमिका में शिक्षक अपनी संवाद क्षमता, समस्या हल करने की क्षमता और संगठनात्मक कौशल में सुधार कर सकते हैं। इससे उनके व्यक्तिगत विकास में भी मदद मिलती है।

कक्षा में बेहतर परिणाम– शिक्षक जब नेतृत्व की भूमिका में होते हैं, तो उनका आत्मविश्वास बढ़ता है, जो उनकी कक्षा में बेहतर शिक्षण परिणामों में परिवर्तित होता है। विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनने से उनकी शैक्षिक उपलब्धियों में सुधार हो सकता है।

निष्कर्ष

शिक्षक केवल कक्षा में पढ़ाने वाले नहीं होतेय वे समाज के बदलाव के प्रेरणास्त्रोत होते हैं। छम्ब् 2020 के तहत शिक्षक को अपनी भूमिका को फिर से परिभाषित करने और समाज में सक्रिय रूप से नेतृत्व करने का अवसर मिलता है। शिक्षक केवल शिक्षा के क्षेत्र में नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक पहलू में बदलाव लाने में मदद कर सकते हैं। उन्हें यह अवसर और जिम्मेदारी मिलनी चाहिए कि वे अपने समुदायों में नेतृत्व की भूमिका निभाएं, ताकि वे न केवल अपने छात्रों के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए सकारात्मक बदलाव ला सकें।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

- **Govinda, R. (2011).** *Teacher Education for Diversity and Social Justice*. Sage Publications.
- **Kumar, R., & Sharma, S. (2020).** *Leadership in Education: Exploring Roles for Teachers in Transforming Schools and Communities*. Routledge.
- **Woods, P. A., & Roberts, A. (2017).** *Teachers as Leaders: Exploring the Role of Teachers in School Development and Leadership*. Springer.